1. Slide # 26: Activity 4 (Formative assessment)- Build up story

नीचे दी गई "ओणम की कहानी" पढिए और समझिए | फिर यू ट्यूब वीडियो (muted) चलाकर दृश्य के हिसाब से ओणम की पूरी कहानी अपनी कक्षा को सुनाइए | (समय के अभाव में हर बच्चा कहानी की एक-एक लाइन बोले |)

यू ट्यूब वीडियो : http://www.youtube.com/watch?v=3ruHt7uCWF4 (mute it)

Read the story of " Onam kii kahaanii". Then mute the YouTube video and tell the story according to the scene in the video. If there is ahortage of time then each student will tell one sentence and retell the whole story.

ओणम की कहानी

-उषा हूडा

Vocabulary words/phrases/sentences

Word	Transliteration	Meaning
दक्षिणी	Dakshini	southern
राक्षस	raakshas	demon
उदार	Udaar	Generous
महापराक्रमी	Mahaaparaakramii	Very brave
प्रजा	Prajaa	citizens
अन्याय	Anyaaya	injustice
चिन्तित	Chintit	concerned
सहायता की गुहार लगाई	Sahaayataa kii guhaar lagaaii	Sought help
दिन - प्रतिदिन	Din - pratidin	Day by day
शक्तिशाली	shaktishaalii	powerful
खतरा	Khatraa	danger
अर्थात	Arthaat	In other words
बौने	Baune	dwarf

सभा	Sabhaa	court
ओजस्वी	Ojasvii	Energetic, bright
ब्रह्मचारी	Brahmchaarii	Bachelor
नवयुवक	navyuvak	young man
आकर्षित हो गया	Aakarshit ho gayaa	Got attracted
लघु पैरों	Laghu paroN	Small feet
स्वीकार कर लिया	Swiikaar kiyaa	accepted
भेंट	bheNt	gift
आकार	Aakaar	size
एकाएक	Aikaaaik	At once
नाप डाला	Naap daalaa	measured
मस्तक ही प्रस्तुत कर दिया	Mastak hii prastut kar diyaa	Presented his head only
पाताल लोक	Paataal lok	The underworld
नम्रता	namrataa	humbleness
चूँकि	chooNki	because
स्नेह	Sneha	love
वरदान	Vardaan	wish

एक समय भारत के दक्षिणी राज्य केरल में महाबलि नाम का राक्षस का राज्य था | वह बहुत उदार और महापराक्रमी था |

महाबलि राजा

उसके राज में बहुत खुशहाली थी | उसकी प्रजा उससे बहुत खुश थी | कहीं भी अन्याय नहीं था |

इससे देव बहुत चिन्तित थे | तब परेशान देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता की गुहार लगाई, "भगवान विष्णु, महाबलि दिन - प्रतिदिन शक्तिशाली होता जा रहा है | उससे हमें खतरा है, कृपया हमारी मदद कीजिए |"

प्रार्थना सुन भगवान श्री विष्णु ने वामन, अर्थात बौने के रूप में महर्षि कश्यप व उनकी पत्नी अदिति के घर जन्म लिया।

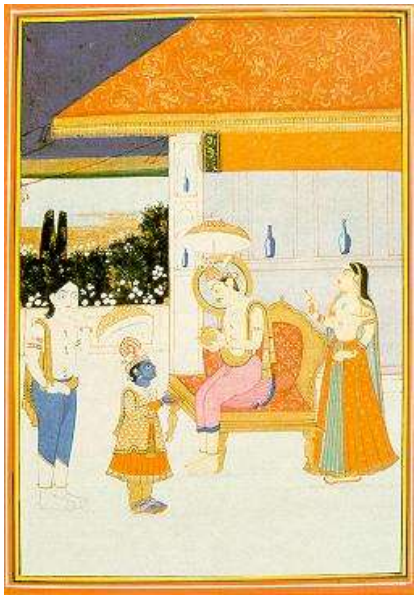

एक दिन वामन महाबलि की सभा में पहुँचे। इस ओजस्वी, ब्रह्मचारी नवयुवक को देखकर एकाएक महाबलि उनकी ओर आकर्षित हो गया। महाबलि ने श्रद्धा से इस नवयुवक का स्वागत किया और जो चाहे माँगने को कहा।

तब श्री वामन ने कहा, " मुझे अपने लघु पैरों के तीन क़दम जितनी भूमि देने की कृपा कीजिए |" उदार महाबलि ने यह स्वीकार कर लिया।

किन्तु जैसे ही महाबलि ने यह भेंट श्रीवामन को दी, वामन का आकार एकाएक बढ़ता ही चला गया।

वामन ने तब एक क़दम से पूरी पृथ्वी को ही नाप डाला तथा दूसरे क़दम से आकाश को। अब तीसरा क़दम तो रखने को स्थान बचा ही नहीं था। जब वामन ने बलि से तीसरा क़दम रखने के लिए स्थान माँगा, तब उसने नम्रता से अपना मस्तक ही प्रस्तुत कर दिया। वामन ने अपना तीसरा क़दम मस्तक पर रख महाबलि को पाताल लोक में पहुँचा दिया। बलि ने यह बड़ी उदारता और नम्रता से स्वीकार किया।

चूँकि बलि की प्रजा उससे बहुत ही स्नेह रखती थी, इसीलिए श्रीविष्णु ने बलि को वरदान दिया कि वह अपनी प्रजा को वर्ष में एक बार अवश्य मिल सकेगा। अतः जिस दिन महाबलि केरल आते हैं, वही दिन ओणम के रूप में मनाया जाता है। इस त्योहार को केरल के सभी धर्मों के लोग मनाते हैं।

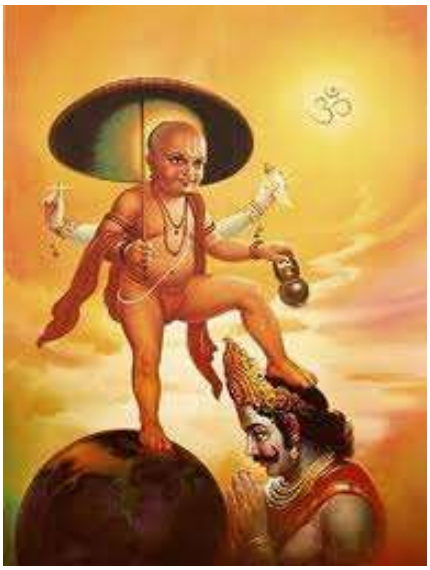

http://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%93%E0%A4%A3%E0%A4%AE